

दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

समय: 45 मिनट

दिनांक: 27-01-2025

विषय सूची

भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) प्राप्त करना
76वीं गणतंत्र दिवस परेड
विश्वविद्यालयों में राज्यपाल की भूमिका पर परिचर्चा
76वें गणतंत्र दिवस पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति का दौरा

संक्षिप्त समाचार

एतिकोप्पाका गुड़िया (Etikoppaka Dolls)
ग्रीनलैंड
व्हिप प्रणाली
चुनावी ट्रस्ट (Electoral Trusts)
RBI लोकपाल योजना (RBI Ombudsman Scheme)
पैराक्वेट विषाक्तता
स्टारगार्ड रोग
गिलियन-बैरे सिंड्रोम (GBS)
फेंटानिल (Fentanyl)
इंदौर और उदयपुर विश्व के 31 आर्द्रभूमि मान्यता प्राप्त शहरों की सूची में शामिल
कॉर्पस पुष्प (Corpse Flowers)
आसन आर्द्रभूमि
इस्लामिक कला से संबंधित द्विवार्षिक महोत्सव

भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) प्राप्त करना

संदर्भ

- स्वामी सुब्रमण्यन और अपराजितन श्रीवत्सन द्वारा लिखित पुस्तक "मिशन पॉसिबल" का यह अंश भारत में UHC प्राप्त करने के लिए एक दूरदर्शी रोडमैप प्रस्तुत करता है, जिसमें प्रौद्योगिकी, टीम-आधारित देखभाल और एक सुदृढ़ सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के महत्त्व पर बल दिया गया है।

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) का परिचय

- यह एक वैश्विक स्वास्थ्य उद्देश्य है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक व्यक्ति वित्तीय कठिनाई का सामना किए बिना आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सके। इसमें स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी श्रृंखला शामिल है, जिसमें स्वास्थ्य संवर्धन और रोकथाम से लेकर उपचार, पुनर्वास एवं उपशामक देखभाल शामिल है, और यह सतत विकास लक्ष्य 3 (SDG-3) का एक महत्वपूर्ण घटक है।

UHC के प्रमुख घटक

- उपलब्धता:** पर्याप्त मात्रा में पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएँ।
- पहुँच:** स्थान या सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना समान पहुँच।
- वहनीयता:** वित्तीय तनाव के बिना स्वास्थ्य सेवाएँ।
- गुणवत्ता:** जनसंख्या की जरूरतों को पूरा करने वाली उच्च-गुणवत्ता वाली सेवाएँ।

स्वास्थ्य और भारतीय संविधान

- राज्य सूची (सूची II, अनुसूची VII):** सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता, अस्पताल और औषधालय।
- समवर्ती सूची (सूची III, अनुसूची VII):** परिवार कल्याण, जनसंख्या नियंत्रण, चिकित्सा शिक्षा और खाद्य मिलावट की रोकथाम।
- अनुच्छेद 263:** स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मामलों में नीति निर्धारण के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण परिषद की स्थापना करता है।
- स्वास्थ्य का अधिकार:** न्यायपालिका द्वारा जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) के भाग के रूप में व्याख्या की गई।

भारत में UHC प्राप्त करने में चुनौतियाँ

- उच्च आउट-ऑफ-पॉकेट व्यय (OOPE):** सरकारी स्वास्थ्य व्यय सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 1.84% (2021-22) तक बढ़ने के बावजूद, OOPE विभिन्न परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण भार बना हुआ है।
- सीमित स्वास्थ्य बीमा कवरेज:** 'लापता मध्य' - बीमा के बिना जनसंख्या का एक भाग- चिकित्सा व्यय के लिए आर्थिक रूप से कमजोर बना हुआ है।
- संसाधन की कमी:** वित्तीय, नैदानिक और अवसंरचनात्मक संसाधनों की कमी, विशेष रूप से कम आय वाले क्षेत्रों में, स्वास्थ्य सेवा वितरण में बाधा डालती है।
- गैर-संचारी रोगों (NCDs) में वृद्धि:** NCDs के बढ़ते प्रचलन के लिए निवारक देखभाल और दीर्घकालिक प्रबंधन की ओर बदलाव की आवश्यकता है।

- **सार्वजनिक-निजी सहयोग:** स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच का विस्तार करने और सेवा वितरण में सुधार करने के लिए मजबूत भागीदारी की आवश्यकता है।
- **डिजिटल परिवर्तन:** आशाजनक होने के बावजूद, स्वास्थ्य सेवा में डिजिटल समाधानों को लागू करने में बुनियादी ढाँचे की कमी और डिजिटल साक्षरता जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

मुख्य अनुशंसाएँ

- **आधुनिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना:** प्रौद्योगिकी सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से लेकर तृतीयक अस्पतालों के विशेषज्ञों तक, स्वास्थ्य सेवा कार्यकर्ताओं के नेटवर्क को जोड़ने वाले "गोंद" के रूप में कार्य करती है।
 - मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड जैसे उपकरणों का उपयोग करके एकीकृत स्वास्थ्य टीमों में दक्षता और पहुँच को बढ़ा सकती हैं।
- **सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करना:** भोरे समिति की रिपोर्ट (1946) ने निवारक और उपचारात्मक देखभाल को एकीकृत करने वाले अपने तीन-स्तरीय मॉडल के साथ भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की नींव रखी।
 - प्रचार, निवारक और उपचारात्मक सेवाओं के प्राथमिक प्रदाता के रूप में सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार, गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए स्वास्थ्य व्यय को कम करना।
 - राष्ट्रीय प्रणाली के साथ निजी स्वास्थ्य सेवा का एकीकरण पहुँच और परिणामों में सुधार कर सकता है।
- **एकीकृत स्वास्थ्य प्रणाली बनाना:** पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया अनुशंसा करता है:
 - वित्तीय कठिनाई से बचाने के लिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा।
 - साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रथाओं के लिए स्वायत्त संगठन स्थापित करना।
 - उचित रूप से कुशल स्वास्थ्य सेवा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना।
 - स्वास्थ्य शासन का विकेंद्रीकरण और समन्वय करना।
 - सभी भारतीयों के लिए स्वास्थ्य अधिकार का कानून बनाना।
- **सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता दल:** सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता डॉक्टर के 75% कर्तव्यों का पालन कर सकते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच संभव हो सकेगी।
 - प्रत्येक कार्यकर्ता 40,000 की जनसंख्या की सेवा करेगा, जिसे तृतीयक देखभाल के लिए 75 बिस्तरों वाले जिला अस्पताल द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।
 - MBBS और MSc बायोटेक छात्रों को सामुदायिक चिकित्सा में तीन महीने का प्रशिक्षण देकर उन्हें बुनियादी स्तर पर स्वास्थ्य सेवा के लिए तैयार किया जाएगा।
- **भारतीय चिकित्सा सेवा (IMS):** IAS के समान एक भारतीय चिकित्सा सेवा (IMS) बनाने का प्रस्ताव, जिसमें उन्नत प्रमाणन (MD) धारक राज्य-स्तरीय स्वास्थ्य सेवा का प्रबंधन करेंगे।
 - इससे शासन में सुधार होगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों का पेशेवर प्रबंधन सुनिश्चित होगा।
- **निजी और विशेष देखभाल की भूमिका:**

- गुणवत्तापूर्ण देखभाल का विस्तार करने के लिए निजी चिकित्सा केंद्रों और संस्थाओं को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए।
- दक्षिण भारत के नेत्र विज्ञान संस्थानों के उदाहरण पिरामिडनुमा चार-स्तरीय मॉडल की सफलता को प्रदर्शित करते हैं, जहाँ स्थानीय नेत्र देखभाल कार्यकर्ता निदान और उपचार के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग करके विश्व स्तरीय अनुसंधान केंद्रों से जुड़ते हैं।
- **UHC की राह:** स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए आधार जैसी पहचान प्रणाली।
 - प्रत्येक राज्य में विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं (जैसे, AIIMS, दिल्ली; NIMS, हैदराबाद)।

Source: TH

76वीं गणतंत्र दिवस परेड

संदर्भ

- 76वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान भारत ने अपनी सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया।

परिचय

- इस परेड की अध्यक्षता भारत के राष्ट्रपति करते हैं, जो सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर हैं।
- इस कार्यक्रम में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो मुख्य अतिथि थे।
 - इंडोनेशियाई राष्ट्रीय सशस्त्र बलों के 342 सदस्यों की एक टुकड़ी ने भी परेड में भाग लिया, यह प्रथम बार था जब इंडोनेशिया के सैनिक किसी विदेशी परेड में शामिल हुए।
 - 2016 में प्रथम बार विदेशी सैनिकों ने फ्रांसीसी सेना की टुकड़ी की भागीदारी के साथ परेड में हिस्सा लिया।



क्या आप जानते हैं?

- 1950 में पहले गणतंत्र दिवस समारोह में, भारत के प्रथम राष्ट्रपति, इरविन एम्फीथिएटर (अब मेजर ध्यानचंद स्टेडियम) गए, जहाँ उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और बैंड ने राष्ट्रगान बजाया।
 - हालाँकि, इस परेड में सांस्कृतिक झांकियों का कोई उल्लेख नहीं है।
- आगामी वर्षों में प्रत्येक राज्य को भारत की समृद्ध विविधता को प्रदर्शित करते हुए कुछ विशिष्ट विशेषता का प्रतिनिधित्व करने वाली एक झांकी भेजने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- रॉबर्ट टोर रसेल द्वारा डिज़ाइन किया गया इरविन एम्फीथिएटर 1933 में भावनगर के महाराजा की ओर से एक उपहार के रूप में बनाया गया था।
 - 1951 में एशियाई खेलों की मेजबानी से ठीक पहले इसका नाम बदलकर नेशनल स्टेडियम कर दिया गया।

सैन्य शक्ति की मुख्य विशेषताएं

- **संजय और प्रलय:** सेना की युद्ध निगरानी प्रणाली "संजय" और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की सतह से सतह पर मार करने वाली सामरिक मिसाइल "प्रलय" को पहली बार प्रदर्शित किया गया।
- **संयुक्त त्रि-सेवाएँ:** पहली बार, देश के सशस्त्र बलों के के मध्य बड़े हुए सामंजस्य को उजागर करने वाली त्रि-सेवाओं की झांकी प्रदर्शित की गई।
 - इसमें भूमि, वायु और नौसेना संचालन की विशेषता वाले समन्वित युद्धक्षेत्र परिदृश्य को दर्शाया गया।
- **प्रमुख सैन्य संपत्तियाँ:** ब्रह्मोस, पिनाका और आकाश प्रणाली।
- **भारतीय नौसेना:** इसमें स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन का प्रदर्शन किया गया और इसमें INS सूरत, INS नीलगिरि और INS वाघशीर जैसे जहाजों के मॉडल शामिल थे, जो समुद्री सुरक्षा में देश की प्रगति को रेखांकित करते हैं।

महिला सशक्तिकरण का प्रदर्शन

- भारतीय सेना की डिंपल सिंह भाटी ने राष्ट्रपति को सलामी देने वाली प्रथम महिला अधिकारी बनकर इतिहास रच दिया।
- केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) की एक महिला मार्चिंग टुकड़ी।
- दिल्ली पुलिस की महिला बैंड में चार महिला सब-इंस्पेक्टर और ब्रास और पाइप बैंड इकाइयों की 64 महिला कांस्टेबल शामिल थीं।
- ग्रामीण विकास मंत्रालय की झांकी "लखपति दीदी पहल" पर आधारित है, जो उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देती है।

भारतीय संस्कृति

- गणतंत्र दिवस परेड में 16 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्रालयों और संगठनों की 31 झांकियाँ शामिल थीं।
- थीम: स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास।
- उत्तर प्रदेश की झांकी ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को दर्शाया, जिसमें 'समुद्र मंथन', 'अमृत कलश' और संगम में पवित्र स्नान के दृश्य दिखाए गए।
- **सांस्कृतिक प्रदर्शन:** यह प्रथम बार पूरे कर्त्तव्य पथ पर फैला, 5,000 से अधिक लोक और आदिवासी कलाकारों ने 45 नृत्य रूपों का प्रदर्शन किया।
 - "जयति जय ममः भारतम्" शीर्षक से 11 मिनट का प्रदर्शन संगीत नाटक अकादमी द्वारा क्यूरेट किया गया था।

अन्य प्रमुख विशेषताएँ

- मध्य प्रदेश की झांकी राज्य में चीतों के पुनः आगमन पर केंद्रित थी।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक झांकी प्रस्तुत की।

महत्त्व

- यह 26 जनवरी, 1950 को भारतीय संविधान को अपनाने का प्रतीक है।
 - 26 जनवरी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा 26 जनवरी, 1930 को की गई पूर्ण स्वराज की घोषणा का सम्मान करने के लिए चुना जाता है।
- यह देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को सम्मानित करता है और सैन्य कर्मियों एवं नागरिकों को बहादुरी पुरस्कार प्रदान करता है।
- यह संविधान के सिद्धांतों और इसके द्वारा स्थापित लोकतांत्रिक ढांचे को भी श्रद्धांजलि देता है, न्याय, समानता एवं बंधुत्व जैसे मूल्यों पर प्रकाश डालता है।

बीटिंग रिट्रीट समारोह

- यह एक ऐसा समारोह है जो गणतंत्र दिवस के उत्सव के समापन का प्रतीक है।
- गणतंत्र दिवस के तीन दिन पश्चात् 29 जनवरी को विजय चौक, नई दिल्ली में आयोजित किया जाता है।
- इसमें भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना, दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) के बैंड द्वारा संगीतमय प्रदर्शन किया जाता है।
- इस समारोह की अध्यक्षता भारत के राष्ट्रपति करते हैं।
- यह पहली बार 1950 के दशक में महारानी एलिजाबेथ और प्रिंस फिलिप की राजकीय यात्रा के दौरान आयोजित किया गया था।
 - तब से, यह समारोह भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान को श्रद्धांजलि देने के लिए एक वार्षिक कार्यक्रम बन गया है।

Source: TOI**विश्वविद्यालयों में राज्यपाल की भूमिका पर परिचर्चा****संदर्भ**

- राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल की भूमिका परिचर्चा का विषय रही है।

विश्वविद्यालयों में राज्यपाल की भूमिका

- राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल की भूमिका ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से विरासत में मिली है और भारतीय संविधान द्वारा अनिवार्य नहीं है।
- यह भूमिका शुरू में विश्वविद्यालय की स्वायत्तता को प्रतिबंधित करने के लिए बनाई गई थी, जिससे राज्यपालों को विश्वविद्यालयों पर सीधा नियंत्रण बनाए रखने की अनुमति मिलती थी, विशेष रूप से कुलपतियों की नियुक्ति और विश्वविद्यालय के निर्णयों को मंजूरी देने में।

मुद्दे और चिंताएँ

- **राजनीतिकरण:** 1967 के पश्चात्, राज्यपाल केंद्र सरकार के उपकरण बन गए, जिससे कार्यालय का राजनीतिकरण हुआ और विश्वविद्यालय के मामलों में हस्तक्षेप हुआ।

- कई राज्यपाल पूर्व राजनेता हैं, जिससे कार्यालय की तटस्थता और निष्पक्षता और भी कम हो गई है।
- **राज्यपालों की दोहरी भूमिका:** राज्यपालों के पास मंत्रिस्तरीय परामर्श(अनुच्छेद 163) और स्वतंत्र रूप से चांसलर के रूप में दोनों तरह की शक्तियाँ हैं, जिससे उन्हें राज्य सरकारों, विशेष रूप से विपक्षी शासित राज्यों में, को दरकिनार करने की अनुमति मिलती है।
- **राज्यपाल बनाम राष्ट्रपति:** राज्यपालों के विपरीत, राष्ट्रपति पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा मंत्रालय और संसद से परामर्श करते हैं।
 - राज्यपाल राज्य अधिकारियों को दरकिनार करते हुए एकतरफा कार्रवाई करते हैं।
- **अन्य चुनौतियाँ:** कई राज्यपालों के पास विश्वविद्यालयों या शैक्षणिक संस्थानों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यताओं का अभाव है।
 - दोहरी प्राधिकरण प्रणाली प्रशासनिक पक्षाघात पैदा करती है।
 - यह मॉडल केंद्र को अनुचित प्रभाव देकर संघवाद को कमजोर करता है।

आयोगों से प्राप्त जानकारी:

- विभिन्न आयोगों (राजमन्त्रार, सरकारिया, वेंकटचलैया, पुंछी) ने राज्यपाल की भूमिका की आलोचना की है, तथा राजनीतिक तटस्थता, स्पष्ट भूमिका और विश्वविद्यालय की अधिक स्वायत्तता जैसे सुधारों की सिफारिश की है।
- पुंछी आयोग ने विशेष रूप से सुझाव दिया है कि राज्यपालों को अपने पद की गरिमा को बनाए रखने के लिए कुलाधिपति जैसी वैधानिक भूमिकाओं से बचना चाहिए।

विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए वैकल्पिक मॉडल:

- **कुलाधिपति के रूप में औपचारिक राज्यपाल:** राज्यपाल की भूमिका पूरी तरह से औपचारिक हो सकती है, जिसमें कोई कार्यकारी अधिकार नहीं होता, जैसा कि गुजरात, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में देखा गया है।
- **कुलाधिपति के रूप में मुख्यमंत्री:** पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों ने इस मॉडल का प्रस्ताव दिया है, जहाँ मुख्यमंत्री कुलाधिपति का पद संभालते हैं, हालाँकि इसके लिए राष्ट्रपति की स्वीकृति की आवश्यकता है।
- **राज्य द्वारा नियुक्त कुलाधिपति:** तेलंगाना ने इस मॉडल को अपनाया है, जिसमें प्रतिष्ठित शिक्षाविदों या सार्वजनिक हस्तियों में से एक औपचारिक कुलाधिपति की नियुक्ति की जाती है।
- **निर्वाचित कुलाधिपति:** कुछ विश्वविद्यालय कुलाधिपति का चुनाव कर सकते हैं, जैसा कि ऑक्सफोर्ड या कैम्ब्रिज जैसे संस्थानों में किया जाता है।
- **विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद द्वारा नियुक्त कुलाधिपति:** जैसा कि यू.के., कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों में देखा गया है, यह मॉडल पारदर्शिता और संस्थागत स्वायत्तता सुनिश्चित करता है।

निष्कर्ष और आगे की राह

- राज्यपाल की भूमिका में सुधार करना विश्वविद्यालय की स्वायत्तता, निर्वाचित राज्य सरकारों के प्रति जवाबदेही और अकादमिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

- कुछ राज्यों ने सुधार पारित कर दिए हैं, लेकिन कई अन्य राज्यों को राष्ट्रपति की स्वीकृति में देरी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे केंद्र की ओर से अधिक निष्पक्ष दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है।
- औपनिवेशिक युग की संरचनाओं को समाप्त करने और विश्वविद्यालय प्रशासन को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ संरेखित करने के लिए प्रगतिशील सुधारों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

Source :TH

76वें गणतंत्र दिवस पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति का दौरा

संदर्भ

- इंडोनेशियाई राष्ट्रपति 76वें भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारत पहुंचे – इस अवसर पर शामिल होने वाले दक्षिण पूर्व एशियाई देश के चौथे नेता।

परिचय

- भारत द्वारा गणतंत्र दिवस के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाना दोनों देशों के बीच संबंधों में निकटता को दर्शाता है।
- इंडोनेशिया के प्रथम राष्ट्रपति 1950 में भारत के पहले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे।
- भारत और इंडोनेशिया ने समुद्री सुरक्षा, स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, संस्कृति एवं डिजिटल सहयोग पर समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

प्रधानमंत्री के संबोधन के मुख्य अंश

- इंडोनेशिया 10 देशों वाले आसियान ब्लॉक के साथ-साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत का एक "महत्वपूर्ण साझेदार" है।
 - उन्होंने ब्रिक्स समूह में इंडोनेशिया का स्वागत किया।
- इंडोनेशिया औपचारिक रूप से ब्रिक्स में शामिल होने वाला प्रथम दक्षिण-पूर्व एशियाई देश बन गया।
- समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी और कट्टरपंथ-विरोधी क्षेत्र में सहयोग।
 - दोनों पक्ष अपनी-अपनी आपदा प्रबंधन टीमों द्वारा संयुक्त अभ्यास करेंगे।

भारत-इंडोनेशिया संबंध और महत्त्व

- **इतिहास और पृष्ठभूमि:**
 - **संबंधों की नींव:** उपनिवेशवाद के साझा अनुभव और राजनीतिक संप्रभुता एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता के सामान्य उत्तर-औपनिवेशिक लक्ष्यों ने 1940 तथा 1950 के दशक के अंत में इंडोनेशिया के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को प्रेरित किया।
 - 1951 में, भारत और इंडोनेशिया ने मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य स्थायी शांति एवं अपरिवर्तनीय मित्रता थी।
 - **गुटनिरपेक्ष आंदोलन की स्थापना:** भारत और इंडोनेशिया संयुक्त राष्ट्र में एशियाई एवं अफ्रीकी देशों की स्वतंत्रता की आवाज़ बन गए, जिसके कारण 1955 में बांडुंग सम्मेलन और उसके बाद 1961 में गुटनिरपेक्ष आंदोलन का गठन हुआ।

- भारत और इंडोनेशिया युगोस्लाविया, मिस्र एवं घाना के साथ गुटनिरपेक्ष आंदोलन के पाँच संस्थापक नेताओं में से थे।
- **पूर्व की ओर देखो:** 1991 में भारत की 'पूर्व की ओर देखो नीति' को अपनाने एवं 2014 में इसे 'पूर्व की ओर काम करो' में अपग्रेड करने के पश्चात से, द्विपक्षीय संबंधों का तेजी से विकास हुआ है।
- **भू-आर्थिक संबंध:**
 - **व्यापार संबंध:** इंडोनेशिया आसियान क्षेत्र में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है (सिंगापुर के बाद)।
 - द्विपक्षीय व्यापार 2005-06 में 4.3 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 38.84 बिलियन डॉलर और 2023-24 में 29.40 बिलियन डॉलर हो गया।
 - भारत-इंडोनेशिया द्विपक्षीय संबंधों को 2018 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया।
 - भारत-प्रशांत क्षेत्र में भारत-इंडोनेशिया समुद्री सहयोग के साझा दृष्टिकोण को भी अपनाया गया।
- **भू-राजनीतिक जुड़ाव:**
 - **साझा मंच:** दोनों देश ब्रिक्स, G20, IORA और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंचों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, वैश्विक मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा देते हैं।
 - **नीति संरेखण:** भारत की "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" और "इंडो-पैसिफिक महासागर पहल" इंडोनेशिया के "ग्लोबल मैरीटाइम फुलक्रम" विजन के साथ अच्छी तरह से संरेखित हैं, जो समुद्री सुरक्षा, कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में क्षेत्रीय सहयोग के लिए तालमेल बनाते हैं।
- **भू-रणनीतिक महत्त्व:**
 - **समुद्री सुरक्षा:** भारतीय और प्रशांत महासागरों के बीच इंडोनेशिया की रणनीतिक स्थिति इसे क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार बनाती है।
 - **प्रतिसंतुलन प्रभाव:** इंडोनेशिया की रणनीतिक स्थिति और बढ़ता प्रभाव भारत के रणनीतिक हितों के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित करने में सहायता कर सकता है।
 - **आतंकवाद-रोधी:** चरमपंथ और अंतरराष्ट्रीय अपराध द्वारा उत्पन्न साझा चुनौतियों को देखते हुए, आतंकवाद-रोधी प्रयासों में सहयोग आवश्यक है।
- **सांस्कृतिक संबंध:**
 - **मजबूत आधार वाले सांस्कृतिक संबंध:** ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध, विशेष रूप से हिंदू परंपराओं तथा रामायण एवं महाभारत जैसे महाकाव्यों का प्रभाव, दोनों देशों के बीच लोगों के बीच मजबूत संबंधों को बढ़ावा देता है।
 - **पर्यटन क्षमता:** इन साझा सांस्कृतिक जड़ों का लाभ दोनों देशों के बीच पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए उठाया जा सकता है।

चुनौतियां

- **व्यापार असंतुलन:** व्यापार संतुलन प्रायः इंडोनेशिया के पक्ष में झुका रहता है, जिसका मुख्य कारण पाम ऑयल और कोयले का अधिक आयात है।

- दोनों देश इस असंतुलन को कम करने के लिए व्यापार में विविधता लाने के तरीके तलाश रहे हैं।
- **क्षेत्रीय तनाव:** क्षेत्रीय तनाव और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलती गतिशीलता, विशेषकर चीन के उदय के कारण चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं।
- दोनों देश अपनी रणनीतिक साझेदारी को बनाए रखते हुए इन दबावों से निपट रहे हैं।

निष्कर्ष

- भारत एवं इंडोनेशिया के बीच बहुआयामी और बढ़ते सम्बन्ध हैं, जो ऐतिहासिक संबंधों, आर्थिक सहयोग और साझा सुरक्षा चिंताओं पर आधारित हैं।
- दोनों देशों में आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी साझेदारी को और गहरा करने की काफी संभावना है।

Source: TH

संक्षिप्त समाचार

एतिकोप्पाका गुड़िया (Etikoppaka Dolls)

समाचार में

- दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस समारोह में आंध्र प्रदेश की एतिकोप्पाका गुड़िया का प्रदर्शन किया गया।

एतिकोप्पाका गुड़िया के बारे में

- **उत्पत्ति:** इन्हें भारत के आंध्र प्रदेश के इटिकोप्पाका गाँव में हाथ से बनाया जाता है।
- **सामग्री:** ये खिलौने मुख्य रूप से 'अंकुडु कर्रा' (जिसे आइवरी वुड भी कहा जाता है) नामक सॉफ्टवुड से बनाए जाते हैं।
- **क्राफ्टिंग प्रक्रिया:** इस प्रक्रिया में सावधानीपूर्वक नक्काशी, आकार देना और पेंटिंग शामिल है।
- **सजावट:** पौधों, बीजों और पत्तियों से निकाले गए प्राकृतिक रंगों का उपयोग खिलौनों को रंगने के लिए किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप एक अद्वितीय और पर्यावरण के अनुकूल फिनिश मिलती है।
- **विविधता:** इटिकोप्पाका खिलौनों में जानवरों, पक्षियों, गुड़ियों और सजावटी वस्तुओं सहित कई तरह की रचनाएँ शामिल हैं।

Source: TH

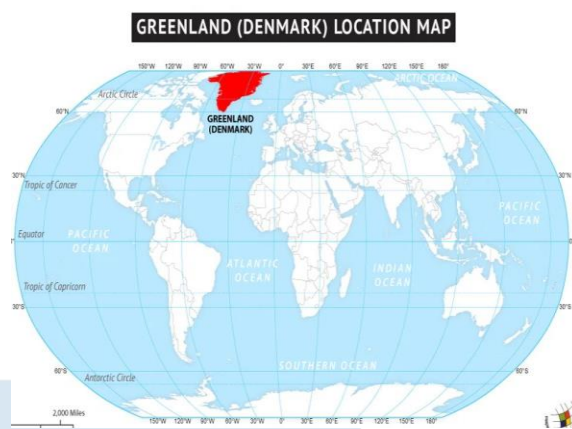
ग्रीनलैंड

संदर्भ

- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि यदि डेनमार्क अमेरिका को ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करने की अनुमति नहीं देता है तो यह 'बहुत ही अमित्रतापूर्ण कार्य' होगा।

परिचय

- ग्रीनलैंड कभी डेनमार्क का उपनिवेश था और अब यह डेनमार्क का एक स्वायत्त प्रांत है, जिसकी स्वायत्तता 2009 में बढ़ा दी गई।
 - इसकी अपनी सरकार है और इसकी अपनी संसद है।
 - इसमें विदेश और सुरक्षा नीति या मुद्रा नीति शामिल नहीं है।
- **स्थान:** यह आर्कटिक और अटलांटिक महासागरों के बीच, कनाडाई आर्कटिक द्वीपसमूह के पूर्व में स्थित है।
 - यह विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है, जिसकी जनसंख्या 56,000 से कुछ अधिक है।
 - इसका लगभग 80% हिस्सा बर्फ की चादर और ग्लेशियरों से ढका हुआ है।
- **भाषाएँ:** ग्रीनलैंडिक, डेनिश और अंग्रेज़ी भी
- **खनिज भंडार:** ग्रीनलैंड में सोना, निकल और कोबाल्ट जैसे पारंपरिक संसाधनों के बड़े भंडार हैं।
 - इसमें डिस्प्रोसियम, प्रेजोडियम, नियोडिमियम और टेरबियम जैसे दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के कुछ सबसे बड़े भंडार भी हैं।
 - 34 वर्गीकृत दुर्लभ पृथ्वी खनिजों में से, ग्रीनलैंड में लगभग 23 हैं।
 - ग्रीनलैंड के बाहर, ये महत्वपूर्ण खनिज चीन में भारी मात्रा में केंद्रित हैं, जो वैश्विक उत्पादन और आपूर्ति के बड़े हिस्से को नियंत्रित करता है।



Source: IE

व्हिप प्रणाली

संदर्भ

- उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ के हाल के बयान कि पार्टी व्हिप पार्टी लाइन लागू करके सांसदों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाते हैं, ने एक परिचर्चा कर दी है।

व्हिप क्या है?

- व्हिप सदन में किसी पार्टी के सदस्यों को पार्टी के एक निश्चित निर्देश का पालन करने का आदेश होता है।
- राजनीतिक दल अपने सांसदों को अपनी पार्टी लाइन के आधार पर विधेयक के पक्ष में या उसके खिलाफ मत करने के लिए व्हिप जारी करते हैं।
 - एक बार व्हिप जारी होने के बाद, प्रत्येक पार्टी के सांसदों को व्हिप का पालन करना होगा अन्यथा संसद में अपनी सीट खोने का जोखिम उठाना पड़ेगा।
- यह शब्द पार्टी लाइन का पालन करने के लिए सांसदों को "व्हिप इन" करने की पुरानी ब्रिटिश प्रथा से लिया गया है।

- इसका संविधान में उल्लेख नहीं है लेकिन इसे संसदीय परंपरा माना जाता है।
- पार्टियाँ व्हिप जारी करने के लिए अपने सदन के सदस्यों में से एक वरिष्ठ सदस्य को नियुक्त करती हैं - इस सदस्य को मुख्य सचेतक कहा जाता है, और उसे अतिरिक्त सचेतकों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

व्हिप के प्रकार

- **इसके तीन प्रकार हैं।**
 - **एक-लाइन व्हिप** सदस्यों को केवल मतदान के बारे में सूचित करता है, लेकिन उन्हें मतदान से दूर रहने की अनुमति देता है।
 - **दो-लाइन व्हिप** उन्हें उपस्थित रहने के लिए कहता है, लेकिन उन्हें यह नहीं बताता कि उन्हें कैसे मतदान करना है।
 - **तीन-लाइन व्हिप**, जो इन दिनों काफी हद तक आदर्श है, सदस्यों को उपस्थित रहने और पार्टी लाइन के अनुसार मतदान करने का निर्देश देता है।

व्हिप का महत्व

- व्हिप पार्टी के सदस्यों में अनुशासन बनाए रखता है, उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करता है और उन्हें आवश्यक जानकारी देता है।
- यह राजनीतिक दल और विधानमंडल में पार्टी के सदस्यों के बीच संचार का एक माध्यम है।
- वे सदस्यों की राय जानने और उसे पार्टी नेताओं तक पहुँचाने का कार्य भी करते हैं।

Source: IE

चुनावी ट्रस्ट (Electoral Trusts)

संदर्भ

- चुनावी बांड को समाप्त करने के उच्चतम न्यायालय के निर्णय के मद्देनजर, चुनावी ट्रस्टों के माध्यम से राजनीतिक दलों को मिलने वाले दान में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

चुनावी ट्रस्ट क्या हैं?

- इलेक्टोरल ट्रस्ट (ET) कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत पंजीकृत एक निकाय है, जिसका एकमात्र कार्य व्यक्तियों या कंपनियों से प्राप्त अंशदान को राजनीतिक दलों को वितरित करना है।
 - इलेक्टोरल ट्रस्ट की स्थापना इलेक्टोरल ट्रस्ट स्कीम, 2013 के तहत की गई थी।
- **योगदान के स्रोत:** इलेक्टोरल ट्रस्ट निम्नलिखित से अंशदान स्वीकार कर सकते हैं:
 - व्यक्तिगत भारतीय नागरिक।
 - भारत में पंजीकृत कंपनियाँ।
 - फ़र्म और हिंदू अविभाजित परिवार (HUF)।
- **दान पर प्रतिबंध:** विदेशी संस्थाओं या व्यक्तियों से अंशदान जो भारतीय नागरिक या निवासी नहीं हैं, निषिद्ध हैं।
- **जवाबदेही के उपाय:** इलेक्टोरल ट्रस्ट दानकर्ताओं, उनके अंशदान, राजनीतिक दलों को वितरित किए गए धन और परिचालन व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा रखते हैं।

Source: IE

RBI लोकपाल योजना (RBI Ombudsman Scheme)

समाचार में

- भारतीय रिज़र्व बैंक की एकीकृत लोकपाल योजना (RB-IOS) में मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान शिकायतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जिसमें 32.81% की वृद्धि हुई, जिससे कुल शिकायतों की संख्या 934,355 तक पहुंच गई।

रिज़र्व बैंक के बारे में - एकीकृत लोकपाल योजना, 2021

- इसने RBI की तीन पिछली लोकपाल योजनाओं को एक एकीकृत प्रणाली में एकीकृत किया। तीन पूर्ववर्ती लोकपाल योजनाएँ थीं
 - बैंकिंग लोकपाल योजना, 2006
 - गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए लोकपाल योजना, 2018, और
 - डिजिटल लेनदेन के लिए लोकपाल योजना, 2019।
- इस सुव्यवस्थित दृष्टिकोण का उद्देश्य सेवा में कमियों के संबंध में विनियमित संस्थाओं (REs) के खिलाफ ग्राहकों की शिकायतों का समाधान करना है।
- कवरेज:** इसमें सभी वाणिज्यिक बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (NBFC), भुगतान प्रणाली प्रतिभागी, अधिकांश प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंक और क्रेडिट सूचना कंपनियाँ सम्मिलित हैं।
 - 50 करोड़ रुपये से अधिक जमा राशि वाले गैर-अनुसूचित प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंक और क्रेडिट सूचना कंपनियाँ जैसी अतिरिक्त इकाइयाँ शामिल हैं।
- महत्त्व:** यह योजना तेज़ और अधिक कुशल शिकायत समाधान को बढ़ावा देकर, व्यापक पहुँच एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करके ग्राहक सेवा को बढ़ाती है।

Source :IE

पैराक्वेट विषाक्तता

समाचार में

- पैराक्वेट का उपयोग हाल ही में केरल में एक हाई-प्रोफाइल हत्या मामले में किया गया था।

पैराक्वेट के बारे में

- पैराक्वेट, जिसे पैराक्वेट डाइक्लोराइड या मिथाइल वायोलोजेन के नाम से भी जाना जाता है, विश्व भर में सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले शाकनाशियों में से एक है।
- इसका उपयोग मुख्य रूप से खरपतवार की वृद्धि को नियंत्रित करने और कटाई से पहले कपास जैसी फसलों को सुखाने के लिए किया जाता है। हालाँकि, यह बेहद जहरीला है और यूरोपीय संघ और चीन सहित 70 से ज़्यादा देशों में प्रतिबंधित है।
- WHO पैराक्वेट को श्रेणी 2 (मध्यम रूप से खतरनाक) रसायन के रूप में वर्गीकृत करता है।
- यह शरीर को कोशिकीय स्तर पर हानि पहुँचाता है और तेज़ी से फैलता है, जिससे फेफड़े, गुर्दे और यकृत जैसे महत्वपूर्ण अंग प्रभावित होते हैं।

पैराक्लेट के उपयोग पर विनियम

- **भारत में:** कीटनाशक अधिनियम 1968 के अंतर्गत केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड (CIBRC) पैराक्लेट के उपयोग को नियंत्रित करता है। 2021 की अधिसूचना में इसके उपयोग को गेहूं, चावल, चाय और मक्का जैसी फसलों तक सीमित कर दिया गया है। नियमों के बावजूद, दुरुपयोग और सुरक्षा उपायों की कमी व्यापक है।
- **अमेरिका में:** पैराक्लेट को केवल लाइसेंस प्राप्त वाणिज्यिक उपयोगकर्ता ही खरीद सकते हैं, और इसमें नीली डार्ड, तीखी गंध एवं उल्टी करने वाले एजेंट जैसी सुरक्षा सुविधाएँ शामिल होनी चाहिए।

Source: IE

स्टारगार्ड रोग

समाचार में

- स्विट्जरलैंड के बेसल स्थित आणविक एवं नैदानिक नेत्र विज्ञान संस्थान के शोधकर्ताओं ने स्टारगार्ड रोग के उपचार के लिए जीन संपादन तकनीक विकसित की है।

स्टारगार्ड रोग के बारे में

- इसे स्टारगार्ड मैक्युलर डिजनरेशन के नाम से भी जाना जाता है, यह ABCA4 जीन में उत्परिवर्तन के कारण होता है, जो रेटिना में विटामिन ए प्रसंस्करण को बाधित करता है।
- इससे लिपोफ़सिन का अत्यधिक संचय होता है, जो एक वर्णक है जो मैक्युला को हानि पहुंचाता है, जो केंद्रीय दृष्टि के लिए जिम्मेदार रेटिना का हिस्सा है।
- वर्तमान में, इस स्थिति के लिए कोई उपचार नहीं है।

Source: TH

गिलियन-बैरे सिंड्रोम(GBS)

संदर्भ

- हाल ही में पुणे (महाराष्ट्र) में गिलियन-बैरे सिंड्रोम (GBS) के प्रकोप ने चिंता बढ़ा दी है।

गिलियन-बैरे सिंड्रोम क्या है?

- AGBS एक ऑटोइम्यून न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है, जिसमें प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से परिधीय तंत्रिकाओं पर हमला करती है, जिससे मांसपेशियों में कमजोरी आती है और गंभीर मामलों में पक्षाघात हो जाता है।
- **कारण:** GBS का सटीक कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह प्रायः इनसे शुरू होता है: श्वसन या जठरांत्र संबंधी संक्रमण। बैक्टीरियल संक्रमण, जैसे कैम्पिलोबैक्टर।
 - वायरल संक्रमण, जिसमें इन्फ्लूएंजा, COVID-19 और जीका वायरस शामिल हैं।
- **भेद्यता:** हालाँकि दुर्लभ, यह सभी उम्र के व्यक्तियों को प्रभावित कर सकता है, वयस्क और पुरुष अधिक प्रभावित होते हैं।

- **लक्षण:** चलने में कठिनाई, चेहरे की हरकतों में परेशानी - बोलना, चबाना या निगलना - और समन्वय एवं संतुलन की समस्याएँ शामिल हैं।
 - गंभीर मामलों में हृदय की मांसपेशियों की कमजोरी के कारण सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।
- **संचरण:** यह संक्रामक नहीं है और सीधे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है।
- **उपचार:** GBS के लिए कोई ज्ञात इलाज नहीं है। हालाँकि, कुछ उपचार हैं जो ठीक होने में सहायता करते हैं।
 - उपचारों में मुख्य रूप से प्लाज्मा एक्सचेंज और अंतःशिरा इम्युनोग्लोबिन थेरेपी शामिल हैं।

Source: TH

फेंटानिल (Fentanyl)

समाचार में

- अमेरिका चीनी आयात पर 10% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव कर रहा है, तथा चीन पर मैक्सिको और कनाडा के माध्यम से अमेरिका में फेंटेनाइल की तस्करी को रोकने में विफल रहने का आरोप लगा रहा है।

फेंटेनाइल के बारे में

- यह एक शक्तिशाली सिंथेटिक ओपिओइड है जिसका उपयोग मुख्य रूप से गंभीर दर्द के इलाज के लिए दवा में किया जाता है, विशेषकर सर्जरी के बाद या अन्य ओपिओइड के प्रति सहनशीलता वाले रोगियों में पुराने दर्द के लिए।
 - ओपिओइड दवाओं का एक वर्ग है जो मस्तिष्क और शरीर में ओपिओइड रिसेप्टर्स से बंधते हैं, जिससे दर्द की अनुभूति कम हो जाती है।
- यह मॉर्फिन से लगभग 50-100 गुना अधिक शक्तिशाली है।
- हालाँकि, फेंटेनाइल का निर्माण भी अवैध रूप से किया जाता है और मनोरंजन के लिए बेचा जाता है। इसे प्रायः हेरोइन, कोकेन या मेथामफेटामाइन के साथ मिलाया जाता है और प्रिस्क्रिप्शन ओपिओइड की तरह दिखने वाली गोलियों में दबाया जाता है, जिससे ओवरडोज का खतरा काफी बढ़ जाता है।

Source: TH

इंदौर और उदयपुर विश्व के 31 आर्द्रभूमि मान्यता प्राप्त शहरों की सूची में शामिल

संदर्भ

- इंदौर और उदयपुर मान्यता प्राप्त आर्द्रभूमि शहरों की वैश्विक सूची में शामिल होने वाले पहले दो भारतीय शहर बन गए हैं।

परिचय

- इंदौर में रामसर साइट सिरपुर झील को जलीय पक्षियों के जमावड़े के लिए मान्यता दी गई है और इसे पक्षी अभयारण्य के रूप में विकसित किया जा रहा है।

- राजस्थान में उदयपुर पाँच प्रमुख आर्द्रभूमियों से घिरा हुआ है, अर्थात् पिछोला, फतेह सागर, रंग सागर, स्वरूप सागर और दूध तलाई।

आर्द्रभूमि सिटी प्रत्यायन कार्यक्रम

- यह रामसर कन्वेंशन का भाग है, और इसे वर्ष 2015 में आयोजित COP12 के दौरान अनुमोदित किया गया था।
- केवल उन्हीं शहरों को मान्यता दी जाती है जो आर्द्रभूमि और उनकी पारिस्थितिकी सेवाओं के संरक्षण के उपायों को अपनाने सहित सभी छह अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों को पूरा करते हैं।
- उद्देश्य:** शहरी और अर्ध-शहरी आर्द्रभूमि के संरक्षण और बुद्धिमत्ता से उपयोग को बढ़ावा देना।
- वैधता:** यह 6 वर्षों के लिए वैध है, जिसके बाद इसे नवीनीकृत किया जाना चाहिए, बशर्ते कि यह 6 मानदंडों में से प्रत्येक को पूरा करना जारी रखे।
 - 74 मान्यता प्राप्त आर्द्रभूमि शहरों की वैश्विक सूची में चीन के सबसे अधिक 22 और उसके बाद फ्रांस के नौ शहर शामिल हैं।
- रामसर कन्वेंशन:** यह आर्द्रभूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है, जिसे 1971 में ईरानी शहर रामसर में अपनाया गया था।
 - यह भारत सहित अपने 172 सदस्य देशों में आर्द्रभूमि और उनके संसाधनों के संरक्षण और बुद्धिमानी से उपयोग के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है।
 - वर्तमान में, भारत में 85 आर्द्रभूमि संधि के तहत संरक्षित हैं।

Source: PIB

कॉर्पस पुष्प (Corpse Flowers)

समाचार में

- एक दुर्लभ पौधा, कॉर्पस फ्लावर (एमोर्फोफैलस टाइटेनम), एक दशक से अधिक समय के बाद पहली बार, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में पुष्पित हुआ।

कॉर्पस पुष्प (अमोर्फोफैलस टाइटेनम) के बारे में

- यह इंडोनेशिया के सुमात्रा में पाया जाता है, जो अपने विशाल आकार, दुर्लभ पुष्पित चक्र और सड़ते हुए मांस जैसी तेज़ गंध के लिए प्रसिद्ध है।
- फूल परागण के लिए सड़े हुए कीड़ों को आकर्षित करने के लिए एक तेज़, तीखी गंध उत्सर्जित करता है।
- कॉर्पस पुष्प शायद ही कभी पुष्पित होता है, प्रायः प्रत्येक 7-10 वर्ष या उससे भी ज़्यादा समय में एक बार। पुष्पित होने की प्रक्रिया केवल 24-48 घंटों तक विद्यमान रहता है।
- इसे IUCN द्वारा लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

Source: DD News

आसन आर्द्रभूमि

संदर्भ

- उत्तराखंड के आसन आर्द्रभूमि में हाल ही में पक्षी गणना अभियान में 117 प्रजातियों के 5,225 पक्षी दर्ज किए गए।

आसन आर्द्रभूमि

- अवस्थिति:** यह आर्द्रभूमि, जिसे आसन संरक्षण रिजर्व के रूप में भी जाना जाता है, आसन नदी के किनारे 444 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जो उत्तराखंड के देहरादून जिले में यमुना नदी से संगम करती है।
- रामसर पदनाम:** 2020 से, इस आर्द्रभूमि को रामसर साइट के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।
- पक्षी विविधता:** यह आर्द्रभूमि 330 पक्षी प्रजातियों का आवास है, जिनमें लाल सिर वाले गिद्ध, सफेद पूँछ वाले गिद्ध और बेयर पोचर्ड जैसी गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियाँ शामिल हैं।
- जलीय जैव विविधता:** यह 49 मछली प्रजातियों को भी आश्रय प्रदान करता है, जिनमें लुप्तप्राय पुटिटौर महाशीर (टोर पुटिटोरा) भी शामिल है।

Source: IE

इस्लामिक कला से संबंधित द्विवार्षिक महोत्सव

समाचार में

- 2025 इस्लामिक कला से संबंधित द्विवार्षिक महोत्सव, सऊदी अरब के किंग अब्दुलअजीज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पश्चिमी हज टर्मिनल पर आयोजित किया जाएगा।

इस्लामिक कला से संबंधित द्विवार्षिक महोत्सव का परिचय

- इसका आयोजन दिरियाह बिएनले फाउंडेशन द्वारा किया जाता है और इसका उद्देश्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान और इस्लामी कला अनुसंधान के लिए एक वैश्विक मंच स्थापित करना है।
- यह इस्लामी कला को समर्पित विश्व का पहला द्विवार्षिक महोत्सव है, जो नए परिप्रेक्ष्य और शोध के लिए अवसर प्रदान करता है।
- यह आध्यात्मिकता, पहचान और अतीत और वर्तमान के बीच संबंधों के विषयों का पता लगाने के लिए ऐतिहासिक इस्लामी वस्तुओं के साथ समकालीन और नवनिर्मित कलाकृतियों को एक साथ लाता है।
- वर्ष 2025 का इस्लामिक आर्ट्स द्विवार्षिक महोत्सव कुरान के इस वाक्यांश "और बीच में जो कुछ है" से प्रेरित है, वह यह खोज करता है कि आस्था को किस प्रकार जिया, व्यक्त और मनाया जाता है।
- इस कार्यक्रम में 500 से अधिक ऐतिहासिक वस्तुएँ और समकालीन कलाकृतियाँ प्रदर्शित की जाएंगी।
 - इसमें 30 से अधिक वैश्विक संस्थानों की इस्लामी कला को प्रदर्शित किया गया है, जिनमें लौवर, विक्टोरिया और अल्बर्ट संग्रहालय, और वेटिकन अपोस्टोलिक लाइब्रेरी, साथ ही सऊदी अरब और भारत का योगदान भी शामिल है
 - आगंतुकों को मक्का और मदीना की पवित्र वस्तुओं का भी अनुभव मिलेगा, जिससे आध्यात्मिक प्रतिध्वनि और अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा मिलेगा।

Source :IEs